खोई हुई ताकत को हासिल करना ही लक्ष्य : सेलिना जेटली

हाल ही में बॉलीवुड की अभिनेत्री सेलिना जेटली ने सोशल मीडिया पर अपनी एक भावुक पोस्ट साझा की, जिसमें उन्होंने जीवन के उतार-चढ़ाव, मानसिक शांति की तलाश और अपनी पुरानी पहचान को फिर से पाने के सफर को बयां किया। सेलिना जेटली ने घर पर एक सोफे पर हाथ में किताब लिए हुए अपनी एक सुकून भरी तस्वीर भी पोस्ट की। अपनी पोस्ट में सेलिना ने स्वीकार किया कि एक महिला के तौर पर हम अक्सर घर बनाने, परिवार की जिम्मेदारियों को निभाने और अपनों का ख्याल रखने में इतने व्यस्त हो जाते हैं कि कहीं न कहीं खुद को ही भूल बैठते हैं।

यह एक ऐसी प्रक्रिया है जहाँ व्यक्ति अपनी पहचान और अपने सपनों को पीछे छोड़ देता है। उन्होंने बताया कि ठीक होने की प्रक्रिया कोई शोर-शराबे वाली या बड़ी जीत हासिल करने वाली नहीं होती, बल्कि कभी-कभी यह बस एक शांत दिन, एक कप कॉफी और गहरी सांस लेने के छोटे-छोटे पलों में छिपी होती है। सेलिना के अनुसार, उनके लिए इस समय खुद को ठीक करने का मतलब उस पुरानी पहचान को फिर से पाना है, जिसे वह वर्षों पहले कहीं पीछे छोड़ आई थीं।

रेट्रो के सेट से जुड़े रोमांचक किस्से सांझा किए पूजा हेगडे ने

सोशल मीडिया के जरिए अभिनेत्री पूजा हेगड़े ने अपनी फिल्म रेट्रो से जुड़ी कुछ अनसुनी और बेहद रोमांचक यादें प्रशंसकों के साथ साझा कीं। तमिल रोमांटिक-एक्शन फिल्म रेट्रो ने रिलीज के एक साल पूरे कर लिए हैं। इस अवसर पर पूजा ने इंस्टाग्राम पर फिल्म के सेट से कुछ बिहाइंड-द-सीन्स तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए, जिनमें शूटिंग के दौरान टीम द्वारा सामना की गई चुनौतियों और उनके जज्बे की झलक मिलती है। अपनी पोस्ट के जरिए अभिनेत्री ने बताया कि फिल्म बनाना किसी साहसिक और एडवेंचरस सफर से कम नहीं था। पूजा ने लिखा, फिल्म रेट्रो के रिलीज को एक साल पूरा। शूटिंग के दौरान हमने कई बड़ी चुनौतियों का सामना किया। उन्होंने बताया कि शूटिंग के समय कई बार भयंकर तूफान आए, काम करते वक्त उनके पैर का लिगामेंट भी फट गया था, जिससे उन्हें काफी चोटें आईं और काफी दर्द सहना पड़ा। इसके अतिरिक्त, सेट पर हर तरफ कीचड़ और फिसलन थी, जिससे काम करना और भी मुश्किल हो गया था, लेकिन इन सभी बाधाओं के बावजूद, उनकी टीम का जज्बा और हौसला बिल्कुल कम नहीं हुआ। अभिनेत्री ने एक और हैरान कर देने वाली घटना का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि एक बार शूटिंग के दौरान उनकी नाव में अचानक आग लग गई थी। पूजा ने लिखा, हमारी नाव में आग लग गई और शूटिंग के वक्त एक

राइमा सेन की फिल्म फूल पिशि ओ एडवर्ड 29 को होगी रिलीज

अपनी आगामी बंगाली ड्रामा-मिस्ट्री फिल्म फूल पिशि ओ एडवर्ड की रिलीज के लिए अभिनेत्री राइमा सेन पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम के जरिए निर्देशक जोड़ी नंदिता रॉय और शिबोप्रसाद मुखर्जी के साथ काम करने के अपने शानदार अनुभव को साझा किया। अभिनेत्री ने फिल्म के सेट से जुड़ी कुछ तस्वीरें (बीटीएस) भी पोस्ट कीं, जिनमें पूरी टीम के बीच का तालमेल और खुशी साफ झलक रही थी। उन्होंने बताया कि पच्चीस साल बाद जब उन्हें इस प्रतिष्ठित प्रोजेक्ट के लिए याद किया गया, तो उन्होंने बिना किसी हिचकिचाहट के तुरंत इसके लिए अपनी सहमति दे दी। राइमा ने अपने पोस्ट में लिखा कि शुरुआत में उन्हें शूटिंग का अनुभव कैसा होगा, इसका कोई अंदाजा नहीं था। उन्होंने बताया कि उन्होंने निर्देशक नंदिता रॉय के बारे में सुना था कि वे काफी सख्त मिजाज की हैं, लेकिन उनसे मिलने के बाद उनकी यह धारणा पूरी तरह बदल गई।

मुमताज:हमेशा रही दर्शकों की ताज?

बॉलीवुड की परम सुंदरी मुमताज प्यार ठुकराकर बनीं टॉप स्टार, फिर शादी के बाद खुद ही कह दिया फिल्मों को अलविदा।70 का दशक में जब हिंदी सिनेमा में खूबसूरती, टैलेंट और स्टारडम का अनोखा संगम देखने को मिलता था। इसी दौर में एक नाम ऐसा उभरा, जिसने अपनी मेहनत और काबिलियत के दम पर न सिर्फ इंडस्ट्री में जगह बनाई, बल्कि उसे अपने नाम कर लिया मुमताज।मुमताज की कहानी किसी परीकथा से कम नहीं, बल्कि संघर्ष और आत्मनिर्णय की मिसाल है। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर सोने की चिड़िया से की। शुरुआती दिनों में उन्हें बी-ग्रेड फिल्मों में काम करना पड़ा, जहां उन्होंने दारा सिंह के साथ कई स्टंट फिल्मों में अभिनय किया।1963 से 1968 के बीच दोनों की जोड़ी ने करीब 16 फिल्मों में काम किया, जिनमें से कई सुपरहिट रहीं और यहीं से मुमताज को पहचान मिलनी शुरू हुई लेकिन असली उड़ान तब मिली जब उन्होंने 'राम और श्याम' और 'ब्रह्मचारी' जैसी बड़ी फिल्मों में काम किया।इन फिल्मों ने उन्हें रातों-रात स्टार बना दिया। इसके बाद राजेश खन्ना और जितेंद्र के साथ उनकी जोड़ी ने बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रच दिया।70 के दशक के मध्य तक मुमताज बॉलीवुड की सबसे महंगी एक्ट्रेस बन चुकी थीं। बताया जाता है कि वह एक फिल्म के लिए करीब 7.5

लाख रुपये फीस लेती थीं जो उस समय के हिसाब से बेहद बड़ी रकम थी।

उन्होंने हेमा मालिनी और रेखा जैसी बड़ी अभिनेत्रियों को भी लोकप्रियता के मामले में पीछे छोड़ दिया था लेकिन उनकी जिंदगी में एक ऐसा मोड़ आया, जिसने सब कुछ बदल दिया।फिल्म 'ब्रह्मचारी' की शूटिंग के दौरान उनकी नजदीकियां शम्मी कपूर से बढ़ीं। दोनों एक-दूसरे से प्यार करने लगे और शादी तक की बात पहुंच गई लेकिन कपूर खानदान की एक परंपरा उनके रास्ते में आ गई घर की बहुएं फिल्मों में काम नहीं करेंगी।उस वक्त मुमताज अपने करियर के शिखर पर थीं और उन्होंने अपने सपनों को छोड़ने से इनकार कर दिया। उन्होंने प्यार से ज्यादा अपने करियर और जिम्मेदारियों को चुना।यह फैसला आसान नहीं था, लेकिन यही उनकी असली ताकत थी बाद में उन्होंने बिजनेसमैन 'मयूर माधवानी' से शादी की, जहां परिवार की शर्त थी कि वह शादी के बाद फिल्मों में काम नहीं करेंगी और इस बार उन्होंने यह शर्त मान ली।

1974 में शादी के बाद, अपने करियर के उच्च पर ही उन्होंने बॉलीवुड को अलविदा कह दिया। उन्होंने 'प्रेम कहानी' और नागिन जैसी फिल्मों को पूरा किया और महज 28 साल की उम्र में इंडस्ट्री छोड़ दी।90 के दशक में 'आंधियां' से कमबैक की कोशिश की, लेकिन फिल्म सफल नहीं रही और उन्होंने हमेशा के लिए फिल्मों से दूरी बना ली।मुमताज का सफर सिर्फ स्टारडम की कहानी नहीं है, बल्कि एक ऐसे फैसले की कहानी है, जहां उन्होंने हर मोड़ पर अपनी शर्तों पर जिंदगी जी।

उन्होंने दिखाया कि एक महिला सिर्फ खूबसूरती का चेहरा नहीं, बल्कि मजबूत फैसलों की मिसाल भी हो सकती है।वो आईं, छाईं और फिर अपने शिखर पर ही सब छोड़कर चली गईं लेकिन उनकी चमक आज भी हिंदी सिनेमा के इतिहास में हमेशा कायम है।

दिनेश गंगराड़े समरपार्क, निपानिया इंदौर452010मप्र

बॉबी देओल ने बदली इमेज

अनुराग कश्यप के डायरेक्शन में बन रही बॉबी देओल स्टारर 'बंदर' सबसे एक्साइटिंग थिएटर रिलीज में से एक बनने की तैयारी में है। निखिल द्विवेदी द्वारा प्रोड्यूस की गई इस फिल्म को लेकर एक्साइटमेंट बढ़ती जा रही है क्योंकि इसमें देखने लायक स्टार कास्ट है। फिल्म में बॉबी देओल एक बहुत ही इंटेस और पहले कभी न देखे गए अवतार में नजर आएंगे, जिसने उन्हें अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकलने के लिए मजबूर कर दिया है।*'बंदर' में अपने रोल के बारे में बात करते हुए बॉबी देओल ने कहा,* 'हर एक्टर कुछ अलग करना चाहता है, क्योंकि एक इमेज सेट हो जाती है और उससे बाहर निकलना बहुत मुश्किल हो जाता है, हम टाइपकास्ट हो जाते हैं। मैं भी इस दौर से गुज़रा हूँ, लेकिन अब मुझे कहना पड़ेगा कि यह फिल्म करना मेरे कंफर्ट जोन से बिल्कुल बाहर था, मैंने अपनी झिझक को एक तरफ रखा और बेझिझक होकर यह फिल्म की।

मनीनी 'द वेद्स स्पीक' पॉडकास्ट में

आई। इस पॉडकास्ट को अजिंक्य जाधव की कंपनी 'पपाराजी एंटरटेनमेंट' ने प्रोड्यूस किया है और इसे डॉ. समीर अरोड़ा होस्ट करते हैं। उन्होंने होस्ट की खूब तारीफ की और कहा, 'कुछ लोग ऐसे होते हैं जिनसे अगर आप कई सालों तक न भी मिलें, तो भी कहीं न कहीं एक रूहानी जुड़ाव बना रहता है। और समीर के साथ मेरा भी वैसा ही जुड़ाव है।' 'वह बहुत सुलझे हुए, बहुत प्यारे और बहुत ही सच्चे इंसान हैं, और उनका ज्ञान तो माशाल्लाह, कमाल का है। इसलिए मुझे लगता है कि आज यह सचमुच मेरी खुशकिस्मती है कि मुझे एक ऐसे इंसान के साथ बैठने का मौका मिला, जिसने ज़िंदगी को, हमारे वेदों को और हमारे धार्मिक ग्रंथों को बहुत गहराई से पढ़ा और समझा है।'

पेड्डी में शामिल हुईं श्रुति हासन!

पेड्डी, जिसमें ग्लोबल स्टार राम चरण लीड रोल में हैं, 2026 की सबसे ज्यादा इंतजार की जा रही फिल्मों में शामिल है और दुनियाभर में इसे लेकर जबरदस्त चर्चा बनी हुई है। फिल्म में जाह्नवी कपूर और जगपति बाबू भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। इसका म्यूजिक पहले ही माहौल बना चुका है, चार्टबस्टर हिट्स दे चुका है और एक्साइटमेंट को और बढ़ा दिया है।अब इस फिल्म को लेकर और बड़ा अपडेट सामने आया है। पैन-इंडिया सिनेमा की बज गर्ल श्रुति हासन फिल्म में एक हाई-एनर्जी स्पेशल डांस नंबर में नजर आने वाली हैं, जिसकी शूटिंग इस वक्त चल रही है।

पुलकित ने अपनी पुरानी आदतों को छोड़कर शिद्दत के साथ चुनौती को अपनाया

मुंबई। अभिनेत्री कृति खरबंदा ने अपने पति पुलकित सम्राट के हाल ही में नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई ओरिजिनल सीरीज 'ग्लोरी' में शानदार प्रदर्शन को लेकर एक भावुक और दिल छू लेने वाला पोस्ट साझा किया है। सोशल मीडिया स्टोरी के जरिए कृति ने पुलकित के सफर को करीब से देखने का अनुभव साझा करते हुए उन पर गर्व जताया है। सोशल मीडिया स्टोरी पर कृति ने लिखा है कि 'ग्लोरी' से उनका जुड़ाव दो साल पहले शुरू हुआ था, जब यह प्रोजेक्ट पुलकित को मिला था। हालांकि शुरुआत में वह एक दर्शक की तरह सब कुछ देख रही थीं, लेकिन धीरे-धीरे उन्होंने पुलकित में बदलाव महसूस किया। उन्होंने लिखा- जैसे-जैसे वक़्त गुजरता गया, उन्होंने अपने जाने-पहचाने पुलकित को धीरे-धीरे एक नए पुलकित में बदलते हुए देखा, जिसने अपनी पुरानी आदतों को छोड़कर पूरी शिद्दत के साथ इस चुनौती को अपनाया था।

जागरूकता के साथ आने वाली इंडिविजुअलिटी ही असली आर्ट है

इंडियाज बेस्ट डांसर के जज टेरेंस लुईस कहना है की जब मैं किसी यूनिक स्टाइल को देखता हूँ, तो सबसे पहले यह देखता हूँ कि क्या डांसर अपने शरीर से सच्ची बातचीत कर रहा है या बस आदत से मूव कर रहा है। जागरूकता के साथ आने वाली इंडिविजुअलिटी ही असली आर्ट है। सबसे यादगार डांसर वो नहीं होते जो परफेक्ट टेक्नीक दिखाते हैं, बल्कि वो होते हैं जिन्हें रिप्लेस नहीं किया जा सकता। मैं हमेशा यूनिक स्पिरिट को परफेक्ट एक्जीक्यूशन से ऊपर रखता हूँ। मेरा मकसद है कि स्पिरिट और टेक्नीक एक साथ आएं, तभी कोई परफॉर्मर सच में अजेय बनता है। टैलेंट तो भारत में हमेशा से रहा है, लेकिन सही इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी थी। इंडिया'ज बेस्ट डांसर जैसे प्लेटफॉर्म ने चुपचाप एक क्रांति की है। इसने छोटे शहरों के क्लासिकल डांसर से लेकर मुंबई के स्ट्रीट डांसर तक सबको एक रास्ता दिया है। सबसे अहम बात यह है कि इसने कल्चरल परमिशन दी है।